**भारत सरकार**

**स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय**

**स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग**

**लोक सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्या: 2091**

**12 दिसंबर, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर**

**सुरक्षित मातृत्व आश्वासन (सुमन) पहल**

**2091. श्री महेंद्र सिंह सोलंकी:**
**श्री जसवंतसिंह सुमनभाई भाभोर:**
**डॉ. राजेश मिश्रा:**
**श्रीमती अपराजिता सारंगी:**
**डॉ. भोला सिंह:**
**डॉ. निशिकान्त दुबे:**
**श्री दुलू महतो:**
**श्री प्रदीप कुमार सिंह:**
**श्री आलोक शर्मा:**
**श्री जुगल किशोर:**
**श्री जगदम्बिका पाल:**
**श्री भरतसिहंजी शंकरजी डाभी:**
**श्री योगेन्द्र चांदोलिया:**
**श्री जनार्दन मिश्रा:**
**श्री सुनील दत्तात्रेय तटकरे:**
**श्री राजकुमार चाहर:**
**डॉ. प्रशांत यादवराव पडोले:**
**श्रीमती स्मिता उदय वाघ:**

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विगत वर्ष के दौरान सुरक्षित मातृत्व आश्वासन (सुमन) पहल के अंतर्गत शून्य लागत वाली सेवाएं प्राप्त करने वाली गर्भवती महिलाओं और बीमार नवजात शिशुओं की अद्यतन संख्या कितनी है और मध्य प्रदेश में विशेषकर देवास और शाजापुर जिलों और गुजरात के दाहोद जिले में इस योजना में शामिल प्रमाणित स्वास्थ्य सुविधाओं की संख्या कितनी है;

(ख) क्या सरकार द्वारा इस क्षेत्र में मातृ मृत्यु दर (एमएमआर), नवजात मृत्यु दर (एनएमआर) और सुविधा आधारितदेखभाल पर सुमन पहल के प्रभाव के संबंध में कोई आकलन किया गया है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा और इसके मुख्य निष्कर्ष क्या हैं और विशेषकर मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के आकांक्षी और अधिक प्रभावित जिलों में सुमन पहल के अंतर्गत आने वाले जिलों में एमएमआर/एनएमआर में दर्ज किए गए सकारात्मक परिवर्तनों का ब्यौरा क्या है;

(घ) सरकार द्वारा मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले के जनजातीय क्षेत्रों सहित देश के दूरस्थ अथवा जनजातीय क्षेत्रों में सुरक्षित मातृत्व आश्वासन (सुमन) की पहुंच और इसके विस्तार के लिए राज्य-वार क्या कदम उठाए गए हैं;

(ङ) सीधी लोक सभा संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में उक्त योजना के प्रभाव का ब्यौरा क्या है; और

(च) क्या गुजरात के दाहोद के अत्यंत दूरस्थ और जनजातीय क्षेत्रों जैसे गरबादा, लिमखेड़ा और सिंगवाड़ में सुमन पहल के कवरेज को बढ़ाने के लिए विशेष मोबाइल स्वास्थ्य इकाइयों की तैनाती की जा रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**

**स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री**

**(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)**

(क): पिछले वर्ष के दौरान सुरक्षित मातृत्व आश्वासन (सुमन) पहल के तहत नि:शुल्क सेवाएं प्राप्त करने वाली गर्भवती महिलाओं और बीमार नवजात शिशुओं की संख्या के साथ-साथ मध्य प्रदेश में, विशेष रूप से देवास और शाजापुर जिलों में और गुजरात के दाहोद जिले में, इस योजना में भाग लेने वाले प्रमाणित स्वास्थ्य सुविधा केंद्रों की संख्या अनुलग्नक में दी गई है।

(ख) और (ग): स्वास्थ्य क्षेत्र की केंद्र प्रायोजित योजनाओं (सीएसएस) का मूल्यांकन अध्ययन नीति आयोग द्वारा सितंबर, 2025 में किया गया। इस अध्ययन के अंतर्गत, **सुमन** सहित मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य योजनाओं का आकलन किया गया था और मात्रात्मक एवं गुणात्मक डेटा एकत्र करके उसका विश्लेषण किया गया था। इस अध्ययन के मुख्य निष्कर्ष निम्नलिखित हैं:

- सुमन पहल के तहत, प्रसवपूर्व और प्रसवोत्तर परिचर्या कार्यक्रम वैश्विक स्वास्थ्य प्राथमिकताओं, विशेष रूप से सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के अनुरूप हैं।
- लगभग 92% लाभार्थियों ने बताया कि संस्थागत प्रसव के दौरान उनके साथ सम्मान और गरिमापूर्ण व्यवहार किया गया।
- दो-तिहाई लाभार्थियों ने प्राप्त परिचर्या के संबंध में उच्च स्तर की संतुष्टि व्यक्त की।

नवीनतम नमूना पंजीकरण प्रणाली (एसआरएस) के अनुसार, मध्य प्रदेश राज्य में मातृ मृत्यु दर (एमएमआर) वर्ष 2017-19 में प्रति लाख जीवित जन्मों पर 163 से घटकर वर्ष 2021-23 में प्रति लाख जीवित जन्मों पर 142 हो गई है। नवजात मृत्यु दर (एनएमआर) वर्ष 2019 में प्रति 100 जीवित जन्मों पर 33 से घटकर वर्ष 2023 में प्रति 1000 जीवित जन्मों पर 27 हो गई है।

महाराष्ट्र राज्य में, मातृ मृत्यु दर (एमएमआर) वर्ष 2017-19 में प्रति लाख जीवित जन्मों पर 38 से घटकर वर्ष 2021-23 में प्रति लाख जीवित जन्मों पर 36 हो गई है और राष्ट्रीय मृत्यु दर (एनएमआर) वर्ष 2019 में प्रति 1000 जीवित जन्मों पर 23 से घटकर वर्ष 2023 में प्रति 1000 जीवित जन्मों पर 11 हो गई है।

(घ): भारत सरकार ने मध्य प्रदेश के सुदूर एवं आदिवासी क्षेत्रों और उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले सहित, पूरे देश में सुमन पहल के विभिन्न घटकों की पहुंच बढ़ाने के लिए निम्नलिखित कदम उठाए हैं:

- जनसंचार माध्यमों सहित सूचना, शिक्षा और संवाद (आईईसी) और व्यवहार परिवर्तन संवाद(बीसीसी) कार्यनीतियों के माध्यम से योजना का प्रचार-प्रसार करना।
- कार्यक्रम के जमीनी स्तर पर प्रचार-प्रसार के लिए एएनएम, आशा और सीएचओ जैसे फील्ड कार्यकर्ताओं को व्यक्तिगत संवाद के माध्यम से शामिल किया जाता है।
- **सुमन** पहल के विभिन्न घटकों की निगरानी के लिए नियमित सहायक पर्यवेक्षकीय दौरों की प्रणाली भी देश भर में लागू है।

(ङ): मध्य प्रदेश राज्य से प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार, सीधी लोकसभा संसदीय क्षेत्र में सुमन योजना के तहत सेवा कवरेज में सुधार के लिए उपायों की एक श्रृंखला शुरू की गई है, जो इस प्रकार है;

- सीधी संसदीय क्षेत्र के सीधी और सिंगरौली जिला अस्पतालों में सुमन हेल्प डेस्क स्थापित की गई।
- सिकल सेल की जांच और प्रबंधन शुरू किया गया।
- सीधी संसदीय क्षेत्र के 6 बाल चिकित्सा केंद्र (सीएचसी) और उससे आगे स्वास्थ्य केंद्रों में प्रसव प्रतीक्षा गृह स्थापित किए गए।
- सीधी संसदीय क्षेत्र में 45 स्वास्थ्य केंद्रों को एनक्यूएएस (गैर-गुणवत्ता प्रमाणन) के तहत प्रमाणित किया गया।
- सीधी संसदीय क्षेत्र के सीधी और सिंगरौली जिला अस्पतालों में प्रसूति एचडीयू/आईसीयू स्थापित किए गए।

(च): गुजरात राज्य से प्राप्त जानकारी के अनुसार, वर्तमान में 3 मोबाइल स्वास्थ्य इकाइयाँ और 3 मोबाइल चिकित्सा इकाइयाँ दाहोद के अत्यंत दूरस्थ और आदिवासी क्षेत्रों जैसे गरभड़ा, लिमखेड़ा और सिंगवाड़ा, गुजरात में **सुमन** दिशानिर्देशों के अनुसार मातृ स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए संचालनरत हैं।

अनुलग्नक

**दिनांक 12 दिसंबर, 2025 को लोक सभा में पूछे जाने वाले अतारांकित प्रश्न संख्या 2091 के भाग (क) के उत्तर में संदर्भित अनुलग्नक**

मध्य प्रदेश में, विशेष रूप से देवास और शाजापुर जिलों में और गुजरात के दाहोद जिले में, सुमन पहल के दायरे में आने वाली जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम (जेएसएसके) योजना के तहत पिछले वर्ष (2024-25) के दौरान नि:शुल्क सेवाएं प्राप्त करने वाली गर्भवती महिलाओं और बीमार शिशुओं की संख्या, साथ ही इस योजना में भाग लेने वाले प्रमाणित स्वास्थ्य सुविधा केंद्रों की संख्या

| **राज्य का नाम** | **नि:शुल्क सेवाएं प्राप्त करने वाली गर्भवती महिलाओं की कुल संख्या** | **निःशुल्क सेवाएं प्राप्त करने वाले बीमार नवजात शिशुओं की कुल संख्या** | **दिनांक 30.11.25 तक सुमन द्वारा अधिसूचित सुविधा केंद्रों की कुल संख्या**** |
|---|---|---|---|
| मध्य प्रदेश | मध्य प्रदेश- 12,26,774<br>देवास- 13,758<br>शाजापुर- 13,453 | मध्य प्रदेश- 1,35,374<br>देवास- 690<br>शाजापुर- 10,213 | मध्य प्रदेश- 12,814<br>देवास- 252<br>शाजापुर- 157 |
| गुजरात | गुजरात-7,47,495<br>दाहोद-26,902 | गुजरात-1,37,651<br>दाहोद-7,036 | गुजरात-5,819<br>दाहोद-100 |

स्रोत: *एचएमआईएस; **राज्य रिपोर्ट

*****